

६७ नमाला के नाथाया ॥ उत्या नया क था हाया ॥ मा न वा नाहि
गा थाया ॥ माला द वीमाहा कृया ॥ श्रीला क श्वल ४ काया न नय
या न गल स विद्या दा व नम ॥ ना ना द वी न द द ॥ माला द वी श्री
ला क श्वल याम न दा कृ सि ॥ माला द वी म हा कृ त्या व न कृ स म
सु ला क या न हे न या य लि मि लि न ॥ श्रीला क श्वल न ना ना द
वी क दा ख ॥ ॥ उत्या न या ल द न रि द यी म लि द यी थ (थ ध
की श्रीला क श्वल न न जा ला द य क वी ॥ श च्छि ना ना द वी ऊ न क ॥

न ६ दू न्य धर्क धली ॥ उ न्या न इ यि ब यू च्च ज न्म स या य या दाना ।
थ ज न्म स उ न्या न इ ली ॥ ध या य भा च क या न उ या य च्च ध ल सा
। भान्ति क र्मे या दान भा यि वा । थ (थ ध र्क श्री ला क श्व न न द्वा दा
ष ॥ १ ॥ कृष्ण विम्ब धृजा दिनी वाद्यु य व ग य न क चि ग व न स्य
नि य व (ग न ॥ स्वामि मृ ल् व न्म र्ग र्मा स स य ४ य दि भान्ति क
ल य ७ । म हा व लि वि य य च्च ल दा या ० या य क न स यू जा या य
रू मि दान वि य लू दान वि य र्म द र्ग ज न क थू नि न सा नि र्श

यिब॥२॥दिनसमलकशकया नामनषनषकावयाधति
शकथायसमरिद॥नानाउयदनशयूबकुरुममायूबधः
यासान्नि॥दवयूजायायया०यायजहूयायवलिवियदान
वियगनमधुलदयकाबसूवर्द्धदानवियलूनति१०वियः
संघराजनकधतिनसान्निशयूब॥३॥तुधिसनानागदन
लेखसलदयूबहिनिमहोरियबलेखसूकावबनिब॥धयारु
लखामिमृत्पुथबजनवन्नासयधनयायिदगारुया॥धय

सान्नि जलजह्नुयाय कू न १ हामनदानविय कूल १ चाकूदाः
नवियधननैदोविय लूननि १० गर्ह धून्य जाचार्यया न दा
नविययूजायाय धनिनसान्नि रुयिबा ॥ ७ ॥ च्छुसमिमदल्य
कूबबयासयानिदाबयानानाऊ गुबबया धयाहलनाना
गोगीकयिबम्बामिमृ लू रुयि दा ना दा दरुय मि रुय विर्व
दरुय जिद्रूनकासान्नियायमाल जलु च्छुबनडा द्वा डाहा
नकाकावदानविय न वग्रह पूजायाय वलि विय जह्नुयाय

कृष्णया लदयात् ज्ञाचार्यं हि दूराज न क धनि न सान्नि
इयि व ॥ ४ ॥ कृष्णं रुटि त्वाय ध्याय रूल म हा कल ह दयू र्वा
वि न क न सा क न ग म त् य ध्या सान्नि खू नान द्वा या य माल
नि र्क स नान या य हाम या य उा हान रु नि आ दा व दान वि य
वा द्म ए सी घ रू अ न क धनि न सान्नि इय व ॥ ५ ॥ कृष्ण विदू
हा वयि व ज्ञा का स न कू नि द वयि व ध्या रूल स्या मि ना स इ
यू व ज् ध वा ध न ना स इ यि व व ध् मि ण ना स दा ना ना रु यः

क्रसक्र नहायायमाल सनानयायमलुलाग्निजहूयायग्रह
मलुलचास्यैयच३ नक्राविधनयाय॥ गिकरु गिरुना गिमधू
गिनवैरु ल्यचाक्रुलसिनहामयाय॥ ॐ ॥ सयविदि। सयसा
के। खक्रा क्रसस नवययवा ३२ कल्यग्न दायकै नयमसमान्सन
धिनमयदूदू सयैचाद धायसउच्चि नवलिवियै केसयाग
सधलनयावडाहानचन्द्रविम्बूधस्यै नयसिजलयागसचाः
क्रनयावलूनगि १० सूर्यधस्यै नयददनालूनदयकाववि

या॥ दत्तव्या न हि दूयान् जाचार्याया न दानविय॥ धनिनसा
न रुयूव॥ १॥ त्रिचुमानखदाया ध्यारुलमहिद नानारु
यदयिब नानासा क रुयूव क नानव वायमालिब ध्यासाः
नि महावलिविय लू गद्द धून गुणयाण सिऊ नन आकावः
दानविय॥ जाचार्याया न धनिनसानि रुयूव॥ ८॥ खिचान
धानक कयाथनरु वखदायी ध्यारुल दस्वतसा दाम नन
नारु यिस्वतसा महारु य रुयू महानाग दयू क गुम्बनास रु

युत्वय ३ रुय ध्यासान्नि कुन २ उा किन जा धूया बध जान सि
चा श्रय शान वलिया न ३ २ दाय वै का ब सि चा यू जा याय धून
का ब द्वा न या न था न स बा य य रु दान वि य सि ज ल या ण स
ग्य न द्वा क ग्य न ३ २ ग या ब लू ग ई थू दा ब नै दा वि य ज्ञा चा
यो रा जन क सी घ न क ध नि न सा न्नि रु य व ॥ २ ॥ अ न्न या ण जाः
सि गा न रु व या भा पि या ण ली ख ग य द्वा द या ण या न या ण धे र व
ना ना य न ध नि रु द्वा रु व या रु न स्वा मि सि री रु व द्वा स द भा

रुयस्व नानद्वा इयैरुव धयासान्नि नूनति १० दानवियः
रिदु जाचार्यो राजनक धतिनसान्नि इयुवा १०॥ नानाद
बलसैजादिनयव्वनदायु च्छुगुयुव च्छुगुक्कतिनिवग्गइन
क्कतिनिवक्कल्लगुगुवा निवमिनवायिबमनकइकावद
वयालुस्यनिव ध(धइवया दसया नायक या रुयमरिद
वहिनिइ नमी विहालसइ नमी धलया यामरिद च्छुसइनः
साच्च धूलयामरिद धयालुलमह नरुय मिरुय नाडिकरु

य धनमायु द्वाद द्वासद रुयदयु धयासानि सु धऊरुयाः
य धान चि ओ द्वा नि विय य क ल द्वा या ० या य सा दान विय रु
मि दान विय लू दान विय ध नि दान विय ॥ रु ग्रे रु वय दा ग
थ का द्या दि समे सु वा हि नी स था य सम सु द वयू जा चा य ना
गि स नी स थि ५४ वलि विय मि ता दि ग न च क गि त जा चा य
यू जा चा य ध नि न सा नि रु यू व ॥ ११ ॥ ना ना द व या थ य स दा
द नि द व व या ध या रु ल ख द द्वा याम हि द नि य रु व ध या

सान्निभैसाद्रुमिऊरुयायमाल् कामानिमचायूजायायदेव
यूजायायदिगवलियचालराजा धनिनसान्निभैरुयूवा॥१२॥
गमच्चिनीलूडाहावागुरुनमानिकजादिननानावत्तनदर्य
यूनयूवयाधयाहूलमहिदस्वामियाकनातसियूडानाडा
दगारुयधयासान्निभैकल्यगयूजायायदेवनायातवलिः
वियनागयूजाग्रीखलुनकचन्यनलूकायनवमुदानवि
यजथासकिधैयूजायायधनिनसान्निभैरुयूवा॥१३॥जुक

स्मात्तनरुमिर्कयमवल्लुक्थश्च प्रयत्नेनथश्च न दवयासिः
लक्ष्म्यायासिर्नग्नितर्लिंगधितिक्कतिदखदायारुलम्बामि
मृत्युसदीरुयक्कनहधयासान्निक्कतिदथासज्जुयायः
(गमदानवियरुमिदानलूदानविययक्कलकाया०वलिवि
येरुजनक्कधतिनसान्निक्कशयूव॥ १७॥ धवसलिनयाकया
सिमायाकयादवचयाकयाधतिमखदायाधयारुलः
केनातमृत्युज्जसास्वामिमृत्युधयासान्निक्कज्ञानज्ञामान

मलुलदयके कल नयूजा चारय पु १० ग्रं सि जलया नुदयर्क
बज्जु क गयू र्क थदा वसू वरु गइ थदा वरि दू ज्ञा चार्यया
न दान विषय ज्ञे न्न दानं कुर्यात् ७ धनि न सानि इयू व ॥ १८ ॥ क
वास वस यथा वसु स्थाना आदि नै च्छु इ न सी म व बया धया ह
ल कना न मृत्यु धन नास धया सानि षु नान द्वाया य मान नि
धे स भान कल्य सयू जा धान स वलि विषय थाम कि ॥ १५ ॥ हा
दान विषय गन चक्र कुर्यात् ७ ॥ धनि न सानि इयू व ॥ १६ ॥ धव

सुसदा कृतिद ववया धयारुल दच्चिन स्यामि मृ एशयूवः
धयासी निमान्माद्रु निज रुयायमाल द्रुगयाल वलि विय
गुलुयाग सडा हा गद्द थदा वदान विय लूयाद दना वियः
गदा चकु कृया ७ धनि नसानि रुयूव ॥ ११ ॥ अक स्मा एन च्छ
नीम रुव च्छ दूकया धयारुल गृहये निमनन धयासा निह
मयाय अद्रु न द्वा द्रु हामन रूयू काय का वृदि न खयन सि
वे कं क सिधन धनि न रुयाय अद्रु निज रुयाया ० याः

य द्वायालवलिदद्यात् ॥ कृद् कया चा ज्ञं सि कायाव वा
य कन क्षाय कन च्छि १ धने नृग ई धून्य कन च्छि १ गुण याग
लूग ई धून्य आचार्य या न दान विरय कामा निभा चायूजाया
य ग हा च क क यो ७ धनि न सानि रुयूवा ॥ १८ ॥ चन्द्र मासूर्य
ना ना ग हा ध्या न ग द ख दा या ध्या रु ल म हा मा नि रु य दू रि
क रु य स्वा मि म न न ध्या सी नि द च्छि न द्वा या य माल ये च्छ
दा या ० या य य १३ (ग न र्क सि ज न या या ग द य का व हा कू ह

मलद्यन्ननवात्रावयुर्लूयादं धन्यमृतिगर्ह धन्यसूवर्ह चा
युधिष्ठायादावदानवियमहावलिवियदेवसर्वेवलिविः
यज्जन्तदानीचकात्रयत्तधनित्यौनसीन्निर्जयूवा॥१९॥जह्नु
यात्रमिसिचूवसिमयूवेद्यानमयूवनानासद्यदयूवधयारु
लज्जमानसिचूवद्रुसदगाहयधयोसीन्निर्हनीर्जह्नुयाय
कासयागसद्यत्तयूर्लूयादावन्नति॥२०॥हानचन्द्रविंवाध
यावदानवियग्नचक्रकूर्यौत्तधनित्यासांनिर्जयूवा॥२०॥

नानादवसकस्यसत्त्वानसहस्ररुग्निनायादार्थं हि च्छाया न
हि मण्डस्ये विडायिव ध्वयारु लस्वामिमृत्त्यु ध्वयासी निदव
यूजायाय ग्वरु मिदानसर्वर्तु दानविय आचार्ययूजायाय
ध्वगिनसानि इयुवा ॥ २१ ॥ अकस्मात्तु न किं सिंहाससा मसत्त्वा
नस रुसि च्छु गुडनेसी चल धनन प्रायमइस्ये सिरिय व यो
रु न कला न मृत्त्यु स्वामिमृत्त्यु वर्षे २ मास २ मरुद ध्वय सी नि
चु सि न वडा हान आ दा व दान विय मी स १० अथ वान

हिं दुःखाचार्या न दानविययुजायाय धनिनसी निरुयुव
॥ २२ ॥ अकस्मात् न सूर्य कनिष्ठ वन नाना सीतसा झसुगसी
धयारु ल्हादा गोरुय धयासान्नि नन्निन द्वायायमाल ऊल्ल
याय सिज न पु २ ग धनिन गाना वझा दाव हाम न युद्ध धं दाव
लून नि १० ग ई धून्य काय न कु २ × काय याव दान विययति
हायायमा न अद्यादि महादाने य च न द्वाया ० याय चिक्क न
रुस्य दायै न विय अचार्याया न सीद्य रुर्ध्व वा ॥ धनिनसी निः

इयूव॥२३॥ वृस क्व वास यसाय दा वम वृसी म्य ना वृवयाः
धया रु ल घ न या स्वा मि मृ त्य धया सी नि न्य नान द्वा या य माः
न मा न्सा दू नि उ रू या य मा न्दु ग धा न स व लि वि य क न्मा या
उ स च न यू रू या दा व य धा स कि भा ह न ग इ धू न्य आ चार्य
या न दान वि य सें घ रु र्थ कू यी न ध नि न सी नि इ यू व॥२४॥
क्व ख न धि व या दा क या क्वा क्वा या के या ध या रु ल अ का न मृ त्य
ध या सी नि नि र्थ स क्क भर्त्त न उ रू या य धा न स्क् व लि वि य ना

गयूजायाय स्वा न वलिया न २ द्दुगुस विय दान विय केसः
याय स य २ दाल थदा व सु व धी न च न्य मा धया व दान विय न
न न सानि ॥ २८ ॥ यद्म साखाया न न म्दि का विहि न न द स्या व
धया रु ल स्वा मि म्द ए शू य व स्व क द य धया सी निं स्व नान द्वा
याय मा न ऊरू ऊ याय जा दू नि दाल च्छि से ध्या न मा न दू दू रा
ऊ से ना खया दे न न क ध नि न सानि शू य वा ॥ २९ ॥ यू जा या द
न या ख ऊ रु ठ वू ल या धया रु ल रु कान जि व ति च लु म्म स

रुयदय कना नयास्वक थयासानि सुफुवा नयाया ०या
यदु गी चन खर्ज झा दा व नानय नाय वाय का व सा ध कि
आ न दान विच ल दान विच धूति न सी नि रुयु वा ॥ २ ॥ द
ब न स द्य ६६ क न स ल थ स नाना द ब या छ स कर व या छ द
य क न सा य न च क या रुय थ व छ स द य क ल सा यू वे दि ग स
श न सा के न रु रुयु ज्ञा (ग्र का न स श न सा रुय द य द द्दि न स
श न सा स न न रुयु नै ० त्य स श न सा द्या न रुयु य न्नि म स श न

सा कुरु वनास वायु वासः नसा यूगनास उरु नसः नसा
धननास ॐ सो नसः नसा ज्ञय महाद ४ रेवस धस ज्ञका
नमः ॐ धयासानि यः ३ सिज ननया ग दय क धनयू ह्या
दाबडा हानक खयास्वदय काबमलुलदय के मधसध
यनाया दाबयू जायाय गाय काया नन चयाबदानवियः
नदानविय के यस यूजायाय य कृ ग न्ध ॐ यूका धूप धन्य
कखया कृस् खर्ज न कृ दनाया दाबा बयाय मिन उदाबाव

या कल्यसर्गं स्थाय प्रदालन नैवद्य वा ५ ३ यलिमान उलि
नसिज न रुधुं काय क ऊऊ मानस्य मनस्य था दा वस्मानया
य ध्व के रवया ध्व वलिस नया व वन सबा दं ता १ थ यू न रु ऊ
य न ॥ ७ न सानि ॥ २८ ॥ ध्व सह यि व व या न वि ब व या ध्व या
रु ले मि मि रु ध्व च मृ ग रु दान जि व नि ध्व या सी नि रु ऊ
या य च न्य वि म्व ल दान वि य व लि वि य यू जा या य रु ऊ न
क ध्व न सी नि रु यू व ॥ २९ ॥ थ व ध्व स कि न स स न व व या

ध्यायारुलसत्रतावद्वमृत् ११ ध्यासीनि सादानवियसिज
नयागुय १० यमाननदय कावझादुहामलझादुआदुग
युर्धुधंदावलत्रगि १२ गर्हधुंदावदानविय कोऊनक
धानिनसीनि इयुव ॥ ३० ॥ दवत्रस दवयाथायस कसिय
कादयव जलिदयव ध्यारुल दवयात्वात्रस धानयाना
यकद्वसियुव ध्यासानि वृद्धं द्यायमाल उरुयाय रुई
याय धानिनसानि इयुव ॥ ३१ ॥ ग्वच्चिनीचुस चुनीमद नहि

रु नि चाद व नि ब ध या रु ल गु द न च्छ या ना य क द्वा सि थि व
ध या सा नि ग न हि रु नि चा न जू न या व व लि स न या व न र व
स वा ग क य च्छा य ध न नि क ल्य ग न्य ग्व उ द य का व यू जा याः
य ध न लि म व ना चा का या व ध या न स यू र्त्वा द न ध न्य रुः
मि दान वि य उा हा न च्छा दा व दान वि य द द न वि य सी घः
रा ज न क थू ति ने सा नि रु य व ॥ ३२ ॥ थ व स नि न या रा ज आ
नि म र व नि ब ध या रु ल द्वा स नान सि थि व ध या सी नि क न स

युजायाय सिञ्ज न दान विय भा न दान विय मरु रासा मत्स्य
इ का विय ध वर दान धृच्छि धन का व द्ध स क न दान दान व
य धृति न सानि ॥ ३३ ॥ ग्वच्छि नै च्छ स स र्य या न द स्य चा रु र व
नि व ग्वच्छि नै स र्य सि दं चा रु र व नि व ध या रु ल द्ध स ना ना म्बा
य म द्ध ध या सी नि द्ध या या धं णी म या उ स हाम ल यूर्ध्व न थ द
व दान विय हाम या य व लि विय धृति न सानि इ यू व ॥ ३७ ॥
ग्वच्छि या धृ स कि सि गाल सा म्य स च्छ इ न सी उ नु या स लि न या

सारखा मिल्याद क्रीयुत मिरवाङ्क सयन ना हा न गु नि च्छ वमु
श न सी च्छ स द य ब ध या रु ल व द या ज न न स स्वा मि मृ गृ श
यू ब ध या सी ति ऊ रु या य नै व र्थै य वा १२ न य य वृ का द धि दू
दू ना हि स्व धि ध ध ति ना व मु व्या ग ल व्या ग न न यूर्ध्वा दा ब
ध न स बा य उ हा न च्छ नू न उ आ दा ब दान वि य जू न दान वि
य धू नि न सानि ॥ ३८ ॥ थ व च्छ स दा का ति द व ब या ध या रु न
मृ गृ श यू व न्य द न हा ध या सानि ध न दू दू थ दा ब क न गः

ननु वध्यासानि जातिस्तथा च न धर्मेन हीनि शूद्रव ॥
 अष्टिर्नमनूदाया मिज नयीमिसायी भोज ॥ जाहान च गानरव
 नेव ध्यारुन नदनहा वधनयायूव ध्यासीनि हि नन्य ॥
 नदिय वलिविय हामयाय प्र ३ कीसनया उदय का वदूद धदा
 उच्य विवृस हि ननमू नि गह धन्यदान विव धर्म नदया ॥
 पाच कडा सा दानतिय धनि नसानि शूद्रव ॥ ७७ ॥ वनयाज
 उच्य सदसम दहा वदया ध्यारु लस्वामि मृत्तू ध्यासानि ॥

[illegible]

३ ल्यास यूजा कुरु सजागि नियात यूजा याय सादान विचर्क स
पोय सध न गया ब वृज गर्ह थ दाव दो न विच क क्वाय व मु लूद
दो ना विच धन न सी निरु यूव ॥७४॥ ॐ समूति मान यू न माल ज
यमान क्क नय दया धया रु ल न्य द न व न्ध या यू व ध या सी नि
दान विच व ति विच लू दान विच आचार्य या न यू जा या य ध नि
न सी नि ॥७५॥ ॐ सक के वि व्या द दू हा व ब या स या नि दा व या व
मू से दा व या ध या रु रु ल स्वा मि मृ ल ध या सा नि च उ स थि ५५

वलि वियसूर्वेर्लूनडाडागुनिष्ठादावदानवियद्दूधनदा
नवियद्दूधनरुजनक्कञ्चाचार्यरुक्कञ्चभनसीन्नि॥७॥
दानवियावमुकायाव्यनस्त्राहानिसमनासीवसेवनिबध्
दवज्जस्वसीभाषध्यारुलज्जमानयायुगुत्तरायाम्पुध्याः
सान्निसादानवियरुमिदानवियलूदानवियरुजनक्क
धभनसीन्नि॥७८॥कुवमुज्ञनसीषुस्ययदयागदयाध्यारु
नमहिदञ्जमर्गिलज्ञयेवध्याक्कुवमुननडावमुदानवियः

ॐ सुदवतायूजायाय सुवृक्षसूयूजायाय धर्मनर्मानि ॥ ७ ॥
(गम) मनुष्याया च न न व मि न न व व सु न निया ब इ यु व धया
सदी ज्मै गै न ध व सु ची दा न या न दा न वियमा न ॥ ८ ॥ ध वः
स नि न स नाना ग द द य व धया रु न च सा या न स ग द द न सा म्
ए नू ग न स दू ४ ख ना रि स दू ४ ख यि दा या ६ स ऊ य ना हा न स
व न्ध न ध या सी नि य १० सि ज न न यि लु या ण द य का व अ क न
यू र्ण या दा व लू च कि द द्वा या व रि दू या न दा न विय धाय वि

[illegible]

उरुहोमुहोहसुचीग्रास्वानि विहाय नूननाट इवमूल
यूवीरवाट उग्राखाट अवल धनूय मतरुषयूवैरुड उगुरु
द नवति नक्षत्र ॥ ३३ ॥ ॥ विक्रि ॥ यीति ॥ आयुषमाना ॥ सोराग्य
मरुना ॥ अतिगन्ध ॥ शुक्रम ॥ वृत्ति ॥ सूल ॥ गन्ध ॥ वृषि ॥ क्रव ॥
वाद्यानहै ॥ हर्वद ॥ वज ॥ मूषि ॥ वानियात ॥ वनियान ॥ यनिद्य ॥
मिव ॥ सिद्धि ॥ साध ॥ मुरु ॥ शुक्र ॥ वद ॥ नुद्धि ॥ वेधति ॥ ॥
१२ म्विनीया ॥ मर्वाहान ॥ देवजात ॥ गुर्वअसत्वा ॥ ॥ १२ नदी

या॥यत वा हानमनूषजातगजसत्व॥ ॥१कृत्तिकाया॥अग्नि
कृष्टुवाहाननाक्षसजातच्छागसत्व॥ ॥२आहिनीया॥रुनविर्भ
वाहान॥मनूषजातनागसत्व॥ ॥३मृगशिराया॥चत्रवाहान
नर्देवजातनागसत्व॥ ॥४आर्द्राया॥विवाहानमनूषजा
तगन्धनसत्व॥ ॥५यूनवेस्या॥यच्यवाहानर्देवजातमाङ्ग
लसत्व॥ ॥६पूष्याया॥कनसवाहानर्देवजातच्छागनसत्व॥
॥ ॥७अस्रव॥कखवाहान॥नाक्षत्रिजातमाङ्गलसत्व॥ ॥

मद्यया॥भस्वाहान्नाक्षजान्कृत्स्नत्व॥ ॥यूर्ध्वरूपागुह्याया॥
भाहावाहान्मानूषजान्कृत्स्नत्व॥ ॥१३॥रूपागुह्याया॥सि
लावाहान्मानूषजान्भस्मत्व॥ ॥१४॥सुयया॥किसिवाहान्
देवजान्महिषसत्व॥ ॥१५॥विष्णवाया॥क्ष्मासखावाहान्देवजा
व्याघ्रसत्व॥ ॥१६॥स्वागिया॥द्विवाहान्देवजान्महिषसत्वा
॥ ॥१७॥विसाखया॥रूप्तिवाहान्नाक्षजान्ब्याघ्रसत्व॥ ॥
॥१८॥जूनूनायया॥हंसवाहान्देवजान्नागसत्व॥ ॥१९॥क्षुया

॥ कायनवाहनत्राक्षसजानमृगसत्व ॥ ॥ १२ मूत्रया ॥ ॥ ६ नवाह
नत्राक्षसजानग्नानसत्व ॥ ॥ १३ पूर्व्याद्या ॥ ॥ ७ लावाहनमान
वजानमर्कटसत्व ॥ ॥ १४ रुद्रागुहया ॥ ॥ ८ लावाहनमानव
जानग्नसत्व ॥ ॥ १५ अवद्या ॥ ॥ ९ नवाहनदेवजानामर्कटस
त्व ॥ ॥ १६ धन्यथया ॥ ॥ १० लावाहनत्राक्षसजानसिंहसत्व ॥
॥ ११ नरिषया ॥ ॥ ११ लावाहनत्राक्षसजानगुर्नगसत्व ॥ ॥ १२
वैरुद्रया ॥ ॥ कायनिवाहनमानवजानसिंहसत्व ॥ ॥ १३ रुद्र

दया॥ कृपति वाहान मानूषजाग (गमसत्त्व॥ ॥१॥ प्रवर्तिया॥ च
क वाहान देवजाग गमजसत्त्व॥ ॥२॥ भेषा॥ विषी॥ मिथून॥ कर्क
ट॥ सिंह॥ कन्या॥ तुला॥ विष्णु॥ धनू॥ मकर॥ कूर्म॥ मिन॥ लाजि
॥ ॥ अ॥ जगवन्क॥ विद्यासयिव सोराग्यवन्क दिद्यायू॥ ॥ रु॥ न
जरागी कृनहानि कनही सोराग्य विद्यानायू॥ ॥ क॥ नजीरुः
सग्य गमहील आनियरू दीद्यायू॥ ॥ न॥ सोराग्य यष्टिग गमही
कृति गमनिसूनरू॥ ॥ मृ॥ चनम चान रागरागी प्ररूग कानी

लक्ष्मीवन् ॥ ॥ अ॥ शान्ताविड् जून्गी इष्ट आसूखी ॥ ॥
यू॥ रागीसूखी विद्यावादि कसू नागी गुत्रिन कामन ॥ ॥ व्य॥ ध
नी गुणवन् सो राग्य कसू न धर्म कर्म ॥ ॥ अ॥ धन धन्य रा
गीति विर्वयी कसू नागी कसू न धर्म ॥ ॥ म॥ यानूष वा क पू
लागी तीर्थजाणानय सर्वसंयलि सूखी ॥ ॥ यू॥ नाज वा ने अस
वन् खलूयायी अल्यायू यग्यसूखी ॥ ॥ उ॥ नाज रागी नाथः
नारु गुहानी सख्य धर्म वन् ॥ ॥ ह॥ शान कर्म अमृता वाक्

नागीसत्यवचननाजयसहस्र॥ ॥ ची॥ चीलानानामिल्यह
यनमुनिनगयष्टिगवाक्॥ ॥ स्वा॥ नजवनकुसहागीश्रुल्याय
सूखीनाजसैयदलारु॥ ॥ वि॥ निगिसामुहसूखयाफसत्यवाः
दियस्रवनदीघीयू॥ ॥ जू॥ सूत्रमनुसूचिधर्मीमनुनाजयः
ष्टिगस्यस्मानदिघीयू॥ ॥ अ॥ जूरागीमहासूत्रयष्टिगवद्वयू
रागाउर्वस्यनायति॥ ॥ मू॥ रागीदागास्यनायतिनायरागी
सर्वसैयलि॥ ॥ यू॥ यरुगकात्रीनाजमानीविचद्वरागीप्रिय

रुगी॥ ॥३॥ नाज रुगी सुखसयलि जलि सा वरु धनज
धर्मा॥ ॥४॥ ममुरु मानिजन रुयिब सुखयालि दीर्घायु रुगी
॥ ॥५॥ दिर्घायु रुगी रीदि तय चन्दय धनयालि॥ ॥६॥ यलि
तुड वाकन सुखयालि सन्मानवृद्धि॥ ॥७॥ मन्नि कक्षा सब वि
चक्रन जस कलि रुगी॥ ॥८॥ नाज रुगी सुखी पूण बन नाजम
मि॥ ॥९॥ गुण बन धन धरु सुता तना वज सबन॥ ॥१०॥
जुस विमति न दणा दिय विद्धा॥ ॥११॥ ॥१२॥ जगि निरु न नील्ये

रुगी॥ ॥३॥ नाज रुगी ॥ सुखसयलि ॥ अहिसा वद्रु धन अ
धर्मा॥ ॥४॥ ॥ अमुरु मानिजन रुयिब सुखयाहि दीर्घायु रुगी
॥ ॥५॥ ॥ दीर्घायु रुगी ॥ यदि तय चन्दय धनयाहि॥ ॥६॥ ॥ यष्टि
तुड वाक न सुखयाहि सन्मान वृद्धि॥ ॥७॥ ॥ अन्तिक का सब वि
चक्र न ज सकलि रुगी॥ ॥८॥ ॥ नाज रुगी सुखी पूण वन नाज म
मि॥ ॥९॥ ॥ गुण वन धन धरु सात ना वज सब न॥ ॥१०॥ ॥ अग्नि
असा विभति न दृष्टा दिय विद्रा॥ ॥११॥ ॥ अग्नि निरुचनी ॥

व. कृ. हि. का. या. द. म्य. व. च. न. त. त्रं. ग. न. के. द. उ. म्य. व. ना. नि. वि. वि. न. न.
॥ १ ॥ कृ. हि. का. या. मु. था. या. दा. भा. हि. नि. मृ. ग. नि. ना. द. के. गु. क. द. गु. मि. ः
नि. ग्ध. या. वृ. ष. ना. नि. वि. वि. न. न. ॥ २ ॥ मृ. ग. नि. ना. द. मा. दा. श्व. गु. था. या. दा. ः
यून. व. गु. वृ. ध. द. गु. मि. ति. रु. या. मि. धू. ना. ना. नि. वि. वि. न. न. ॥ ३ ॥ यून. व.
श्व. या. दा. के. यू. ष. ग. ल्य. के. स. मी. वि. रं. च. न्य. द. गु. मि. ति. रु. या. क. के. ना. ना.
नि. उ. श्व. न. ॥ ४ ॥ म. घ. च. यू. र्व. ह. ल्य. न्या. उ. र्हे. ना. या. द. म्य. व. च. सूर्य. द. गु. ः
मि. ति. रु. या. हि. र्हे. सि. ना. सि. वि. वि. न. न. ॥ ५ ॥ उ. गा. या. या. दा. रु. स. चि. गा.

इम्यवचवृद्धद्वगुमितिह्रयाकन्यानामिविधिन॥७॥चित्राई
नथास्वामिविश्वरवायायादगुर्यंशुक्रयैद्वगुमितिह्रयागुनानाः
मिविधियन॥८॥विश्वरवायायदम्यकंचाञ्जुनानाडाक्षसूमव
चक्रुजद्वगुमितिह्रयाविश्वुनानाडिउच्यन॥९॥मूर्नचपूर्वायाउच
उरुनायादम्यवचजिवद्वगुमितिह्रयाधनूनामिविधियन॥१०॥
उगायागुयायादाश्रवदधन्यस्माधर्कः (मेल)द्वगुमितिह्रयासक
लनामिविधिन॥१०॥धन्यस्माधंचसगरिमायापूर्वरुद्रसयाद

तथैव (नो न दृष्टमिति ह्याकुरु ना नि विधि न भा ॥ ११ ॥ पूर्व
दसयादकस्य उगु ना न व गि न थ शुक्र दृष्टमिति ह्यामि न ना नि
विधिय नो ॥ ॥ ॥ ॥ ११ ॥ निश्च बाला ॥ स्वम बाला ॥ पूर्व व न्य म न व ॥
वृध बाला ॥ अंग बाला ॥ उरु न व न्य म न व ॥ आदि त्य बाला ॥ शुक्रः
बाल यन्त्रि म बान्य म न व ॥ वृहस्य नि बाल द द्विष्टा वान्य म न व ॥
अंग बाला ॥ गमन लारु पूर्व रि द ॥ स्वम बाला ॥ आदि त्य बाल द
द्विष्टा स व न्य न व ॥ वृध बाला ॥ वृहस्य नी बाला ॥ यन्त्रि म व न्य रि द

गुक् बाल॥ भनि शल बाल॥ उरु न बान्य हिद॥ ॐ॥ प्रनियदा॥
नवमि॥ पूर्वडा न्यम न॥ द्विनिया॥ दभ मि॥ उगु वन्यम न ब॥ न
निया॥ नकोद मि॥ ज्ञग्नि कून वन्यम न ब॥ चगुद सि॥ द्वाद सि॥
ने॥ न कून वन्यम न बाय च मि॥ गुथाद सि॥ दद्विदा वन्यम न ब
॥ षष्ठि॥ चगु था॥ यग्नि मडा न्यम न ब॥ सफ मि॥ पूर्व माग्नि॥ वायू
कून वन्यम न ब॥ ज्ञमा वास्या॥ सफ मि॥ ॐ॥ सान कून वनम न ब
॥ धन दिग आग्नि नी था निव॥ ॐ॥ १॥ ज्ञग्नि नी न द्वाग॥ जूनू ना धा॥

न द्वा॥ मृगगिजान द्वा॥ मूनन द्वा॥ पूर्वनेसून द्वा॥ यूष्यन
द्वा॥ रुक्मन द्वा॥ श्रुन द्वा॥ धर्गन उरुन वन्यमरिदस्यया॥
युनियदा॥ रतिया॥ येचमी॥ सफमी॥ दभमी॥ नकादसि॥ एथाद
मि॥ धर्गगमनरिद॥ उभन उगन तिथिसिया॥ भवचद॥ सिद॥
धन॥ पूर्वप्रमूरवनचा निव॥ चदमा॥ वृषचंद॥ कन्या॥ मकला॥ द
क्षिप्रमूरवनचा निवस्ययचदमा॥ ॥ मिथूनचद॥ गुला॥ कूः
म॥ यम्बिमयमूरवनचा निवचदमा॥ ॥ मीनचंद॥ विष्णु॥ कर्क

ग॥ उरु नयमूरवनधानि वचदमा॥ ॥ धर्मे चन्द्र उवसरिद
वन्यरिद॥ निवन्यमरिद रववमरिद॥ ॥ ग्यनाने वन्यरुने
॥ ॥ आदित्य रुक्मा गुन्यय आगा वृक्ष अनूना धा गनि प्रादिः
च स्वयन सोम रु गुनवति च सोमा ज गुनि म्य अमृत सिद्धिः
आगा॥ ॥ आदित्य वा न रुक्म न द्रुग॥ वृक्ष वा न अनूना धन द्रुग
॥ गनि म्य बाल प्रादि निन द्रुग॥ स्वम वा न मृग जि नान द्रुग॥
गुक्र वा न प्रवति न द्रुग॥ अंग वा न अग्नि निन द्रुग॥ धर्मे वा

नक्षत्रचूनाकृत्तमसिद्धीजागरिदः॥ ॥१॥ नक्षत्रकं१॥ नक्षत्र
दूरीदूरी२॥ ॥ नक्षत्रदूरी३॥ दूरीदूरीगनीचान४॥ ॥ नक्षत्रनिनि
३॥ निनिदूरीगनीच५॥ ॥ नक्षत्रचानच६॥ चानदूरीगनीच७॥ ॥
॥ नक्षत्रयाचैयाच८॥ याचदूरीगनीच९॥ ॥ चूनाकृत्तम१०॥ ॥ चूनाकृत्तम
दूरीगनीच११॥ ॥ साधनकासा१२॥ ॥ साधनकासा१३॥ ॥ साधनकासा१४॥ ॥
॥ साधनकासा१५॥ ॥ साधनकासा१६॥ ॥ साधनकासा१७॥ ॥ साधनकासा१८॥ ॥
॥ साधनकासा१९॥ ॥ साधनकासा२०॥ ॥ साधनकासा२१॥ ॥ साधनकासा२२॥ ॥
॥ साधनकासा२३॥ ॥ साधनकासा२४॥ ॥ साधनकासा२५॥ ॥ साधनकासा२६॥ ॥
॥ साधनकासा२७॥ ॥ साधनकासा२८॥ ॥ साधनकासा२९॥ ॥ साधनकासा३०॥ ॥

ॐ

२०॥ धूनिदूगच्छियाबल् ५१००॥ नवानस्यन्या॥ ॥ धनूकव॥
नवनच्छय॥ भरवसपू २११॥ वृखन्वसागलाभु
२१७२॥ ॥ मिथूनगिगुनाभाका॥ ३०३॥ कर्कटगिगुगमश्ववक्रि
३४३॥ ॥ सिंहन्ववाद्यदभाका३४२॥ ॥ कन्याग्रहुरुवनवक्रि
३३२॥ ॥ मयखसिंहधनूपूर्वविप्र॥ ॥ वृखकन्यामकनदक्षि
क्षिति॥ मिथूनकुम्हगुनायस्त्रिमवेग्य॥ कर्कटविच्छमिनउग
गुद॥ ॥

१ आदित्य ॥ ॥	१ चन्द्रमी ॥ जू ॥	जु गान ॥ ० ॥
३ स्नानचारु ॥ ॥	वसुचारु अचारु ॥	३ नञवन ॥
५ योगनास ॥ ॥	३ यूनचारु ॥ ॥	५ मफ्रना ॥
१० काजसिद्धि ॥ ॥	५ सीयति ॥	१० धनचारु ॥
११ मानशुरु ॥ ॥	५ मानराग ॥	११ रुमिचारु ॥
जूनागचिक्कारानि	१० सिद्धिचारु ॥	जू विधिधनदानि २
दू ४ खधननास २ ॥	११ यूगचारु ॥	नूयद्यातकनाजरुय १

श्रुविथागर॥
कुक्कू भागयिजा॥
वासमृत्तु८॥
मृत्तु (धवि) २॥
जृग्मिरुय १२॥

जृ॥ ॥ ॥
धनहानिरुय॥१॥
नगु भाग॥७॥
साकसेताय॥४॥
न्यगु भाग॥८॥
कुक्कू भाग॥२॥
नाऊ रुय॥१२॥

भाप्रधानकज७
यूगहानि८॥ ॥
मानहानि १॥ ॥
भाप्रधाननि८॥ ॥
यन प्राय॥ २॥
यन वासरुय १२

१ वृद्ध ॥ ॥ ॥

१ वृद्ध

२ धनचारु ॥

१० भग्ननास ॥

७ धनचारु ॥

११ शुद्धदभ

८ युगदिधनचारु ॥

९ स्नानचारु ॥ ॥

१ शुक्र ॥ ० ॥

१ वक्तुचारु ॥ ॥

२ कार्यसिद्धि ॥

२ धनचारु ॥

२० साहागवक्तु ॥

३० भग्ननास ॥ ॥

७ सुखसाहाग ॥

१ वृहस्पति ॥ ॥

१ वक्तुचारु ॥

२ कार्यसिद्धि ॥ ७

२ धनचारु ॥ ७

११ स्नानचारु धनादि

८ युगचारु ॥ ० ॥

१ वृद्धिदिनविधि

ग १

जं धनहानि १॥

यनरुय ३॥

मुवा नीवाध ४॥

न ऊहानि ५॥

नगु भाग ६॥

हृष्ट १२

शुवभाहानि ॥ ॥

नारु ॥ ॥ ॥

२ माननारु ॥ ॥

११ मुवा नारु ॥ ॥

२ नागिहृष्ट ॥ ॥

१ मुवा निमित्तिनदृष्ट

३ कनसयिदा ॥ ३ ॥

१२ सीकायभाहृष्ट १२

७ भाहृष्टाष्ट ७॥

५ भाहृष्टाष्ट ५॥

१० धनहानी १०॥

८ हानी ८॥

१ मनिश्चन ॥ ॥

१ म्नीया कर्म ॥

३ सुखसुख ॥

११ गगनारु ॥

१ वृषह ~~वृषह~~ नयुथं

२ धननास ॥ ॥

७ सहि न विथाग ॥

४ नाना दुःख ॥

१ नाद्रुया ॥ ॥

१ युग नारु ॥

३ नञवन

११ स्नान नारु ॥

८ नारु नागनास ॥

१ विषम जानरुयु

७ चित वाकून ॥

१ कुरु ॥ ॥

१ नञवन

३ प्रीति नारु ॥

११ वन नारु ॥

१ सा कर्सीनाय ॥

२ धन हानि ॥

४ कार्य नास ॥

१ येष्वङ्गाग ॥

८ द्वागुताविआग ॥

२ म्नीनीमिति नदूष्य

१० दामिङ्गयस्वैग

१ मृत्पुधननास ॥

२ मङ्गुद्यान ॥ ० ॥

१२ प्रवागुरुय ॥

४ यूगहानि ॥

१० मानहानि ॥

१ मृत्पुरुय ॥

२ वियतिकेसधनु ॥

४ नायङ्गय ॥

१ न्यनफन् ॥

८ वनद्यानक ॥

२ साकसीनाय

१० धननास

१२ साकदाधनयपूर्व

म्हनभाङ्गुरु ॥ ॥

सोम	पूर्व	आग्नि	ह्रस्वान	पूर्व	आग्नि
विष्णु	मृगशिरा	विष्णु	अथ	मृगशिरा	विष्णु
उरु	१	दक्षिण	उरु	२	दक्षिण
मृग		मृग	मृग		मृग
वायु	पश्चिम	नक्षत्र	वायु	पश्चिम	नक्षत्र
उरु	मृग	विष्णु	मृग	मृग	मृग